नगर पालिका परिषद बड़वाह के द्वारा विशेष सफाई अभियान की हुई शुरूआत

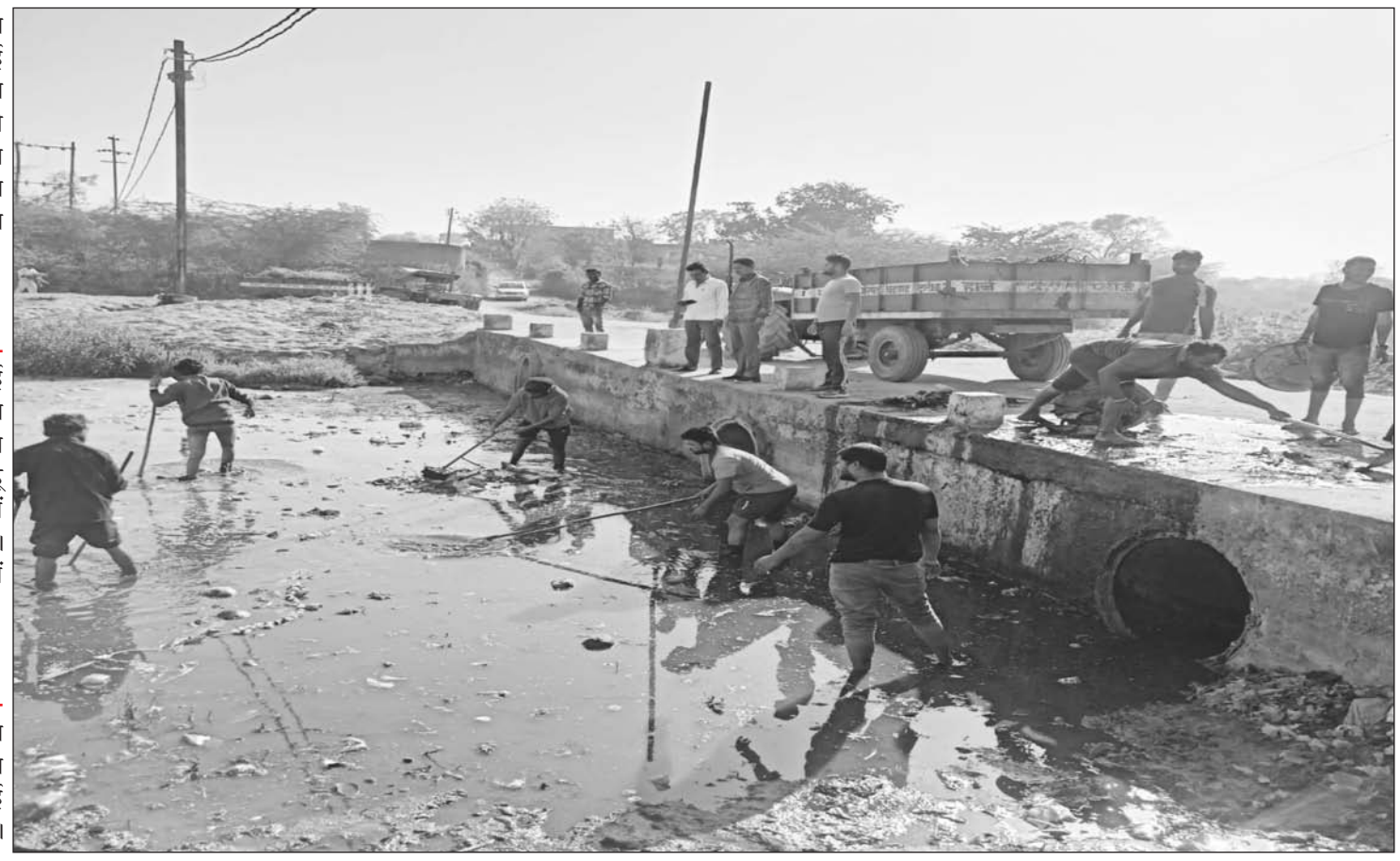

बडवाह— रविवार को नगर पालिका परिषद बड़वाह के द्वारा विशेष सफाई अभियान की शुरूआत ।नगरपालिका अध्यक्ष राकेश गुप्ता एवं नपा अधिकारी कुशलसिंह डुडवे के नेतृत्व में हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि वैसे तो नगरपालिका की टीम प्रत्येक वार्ड में प्रतिदिन साफ.सफाई का कार्य करती है

नालियों में कूडा करकट नहीं डालने की अपील की

नपा.अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने सफाई कर्मियों को विशेष सफाई करने के दिशा निर्देश दिए ।नगरपालिका कर्मचारियों ने मुख्य मार्गों से लेकर गलियों तक झाड़ू लेकर साफ.सफाई की ।टीमों ने गलियों में सफाई करते हुए कू?ा कचरा एकत्र किया। उन्होंने कालोनी के लोगों को को नालियों में कूडा करकट नहीं डालने की अपील की।

कूडेदानों में ही कूडा डालने की अपील की

सीएमओ कुशलसिंह डुडवे ने बताया कि स्वस्थ रहने के लिए साफ.सफाई रखना बेहद जरूरी है ।सफाई रखने से ही कई बीमारियों को दूर भगाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से वार्डो में लगे कूडेदानों में ही कूडा डालने की अपील की। जिससे कालोनी की गलियां साफ सुथरी रह सकें ।इस दौरान अधिकारी सहित नगरपालिका कर्मचारी मौजूद रहे ।गणगौर घाट नगर के सबसे पुराने घाट में से है लेकिन यहां कचरा पडा रहता है ।घाट से लगे जलाशय में कीच? काई पॉलीथिन एवं गंदगी भरी पडी है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 के तहत नगर पालिका ने रविवार को गणगौर घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया ।इस अभियान में नपा के सफाईकर्मियों के साथ खुद सीएमओ कुशल सिंह डूडवे ने भी मैदान में उतरकर सफाई में जुट गए ।तीन से चार घंटे चले इस अभियान में काफी अधिक मात्र में कचरा पानी में गाद एवं गंदगी तो साफ की ही ।स्वच्छता अभियान में रुकावट बन रहे एक अस्थायी अतिक्रमण को भी हटाया ।लेकिन इस अभियान के चलते क्षेत्र में गंदगी के कारणों को भी समझने का मौका मिला।

एक-दो दिन में कुछ नहीं बदलेगा

उन्होंने बताया कि आसपास की धर्मशाला में समारोह के बाद आयोजनकर्ता गणगौर घाट पर पर ही कचरा डाल देते हैं ।गणगौर घाट को स्वच्छ बनाना है तो समग्र रूप से सुनियोजित योजना के तहत लम्बे समय तक अभियान चलाना होगा ।केवल एक.दो दिन या पर्वो पर सफाई व्यवस्था से गणगोर घाट स्वच्छ नहीं होगा ।सीएमओ ने बताया की स्थानीय लोगों से मिले फीडबैक के अनुसार गणगौर घाट के लिए प्लान बनाया जाएगी ताकि गणगौर घाट सदैव स्वच्छ एवं निर्मल रहे।

स्पीड ब्रेकर पर सांकेतिक निशान नहीं होने से आए दिन हो रहे हैं लोग दुर्घटना का शिकार

एक हफ्ते के अंदर 8 लोग गंभीर रूप से हुऐ घायल

बलवाड़ा/बडवाह ----इंदौर इच्छापुर हाईवे पर बसे बलवाड़ा गांव की सड़क कई स्थानों से जर्जर हो चुका है। इस पर बने स्पीड ब्रेकर के ऊपर संकेतक नहीं है और ना ही रोड पर सफेद लाइन की मार्किंग है। जिससे बड़ी दुर्घटनाओं का डर बना रहता है ।यह रोड ग्रामीण क्षेत्र से गुजर कर शहर तक पहुंच रहा है ।स्पीड ब्रेकर पर संकेतक नहीं लगे होने से वाहन चालक डगमगा जाते हैं। और कई दुर्घटनाग्रस्त होकर घायल भी हो जाते हैं दूसरी ओर जिम्मेदारों का कहना है कि रोड की टेंडर प्रक्रिया हो चुकी और कुछ टेंडर प्रक्रियाधीन है ।यातायात को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और स्कूल के समाने बनी स्पीड ब्रेकर पर आए दिन हो रही है दुर्घटनाएं। रविवार के दिन भी दोपहर में 3 वर्षीय दिव्यनसी पिता कमल सिंह नायक निवासी इंदौर से करही जाते वक्त स्पीड ब्रेकर पर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे बलवाड़ा की 108 सेवा वाहन से बड़वाह के सिविल हॉस्पिटल पहुंचाया गया7ग्रामीण विक्की पाटीदार ने बताया कि पिछले हफ्ते यहां के स्पीड ब्रेकर पर दो महिलाएं वाहन डगमगाने से गिर पड़ी थी। जिन्हें सिर में चोटें लगी थी तब हमने उनकी गाड़ी उठाई और पानी पिलाया और उन्हें सड़क से उठाकर साइड में किया था। एक और महेंद्र नारंग ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में रोड पर भी कई गति अवरोधक बना दिए गए हैं ।लेकिन यहां भी संकेतक नहीं लगाए गए हैं ।जिससे वाहन चालक जब यहां से गुजरते हैं तो स्पीड ब्रेकर पार करने के बाद उनका संतुलन बिगड़ जाता है। पिछले हफ्ते इसी स्पीड ब्रेकर पर ऑटो रिक्शा पलटने से ड्राइवर के साइड से बैठे शेरू पिता ठाकुर निवासी साकेत नगर इंदौर का हाथ काट कर धड़ से अलग हो गया था। इसे मैंने ही ऑटो रिक्शा के नीचे दबे होने से निकाला था और हॉस्पिटल पहुंचाया था।

भारतीय किसान संघ ने 7 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया

बड़वाह--भारतीय किसान संघ द्वारा विधायक सचिन बिरला को मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं जिलाधीश के नाम से अपनी 7 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया7जिसमें भारतीय किसान संघ के सभी दायित्ववान कार्यकर्ता मौजूद रहे ग्राम समिति नांदिया के अध्यक्ष कैलाश परिहार उपाध्यक्ष प्रवीण परिहार जितेन परिहार धर्मेंद्र भार्गव सीताराम चोयल जयराम गुले ओम प्रकाश सोनी लोकेंद्र दिलीप परिहार नारायण चोपड़ा मनीष परिहार दिलीप परिहार भारतीय किसान संघ के जिला उपाध्यक्ष नाजिम खान द्वारा ज्ञापन का वाचन किया गया और मांगे पूरी ना होने पर बहुत ही जल्द बहुत बड़ा आंदोलन किया जाएगा जिसकी जवाबदेही शासन प्रशासन की होगी7

यह है 7 सूत्री मांगे

भारतीय किसान संघ द्वारा पूर्व में भी ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया है कि सनावद भैंस बाजार में किसानों के साथ बहुत बड़ी लूट हो रही हैं ।प्रति भैंस के पीछे किसानों से दो रुपये प्रति सैकड़े की दर से वसूली की जा रही है, जो कि पूरे मध्यप्रदेश में कहीं पर नहीं है ।अन्य जगहों पर धुंचड़का में शुल्क 50/-, देपालपुर 50/- ऐसा पूरे प्रदेश में 100 से 200 रुपये तक का शुल्क लिया जाता है, वहीं शुल्क सनावद पशु बाजार में भी लिया जाये ।02.पूर्व में कमलनाथ सरकार द्वारा 2019 में 500 करोड़ रुपये की राहत राशि स्वीकृत की गई थी, जिसमें मात्र 25 प्रतिशत राशि ही किसानों को दी गई है ।अत: शेष 75 प्रतिशत राशि किसानों के खाते में तत्काल डाली जाये। वर्तमान सरकार द्वारा 2020 की शेष राहत राशि 34 प्रतिशत देना किसानों को बकाया है, वह भी अतिशीघ्र खाते में डाली जावे ।03. सी.एम. साहब के द्वारा घोषणा की गई थी कि बैंकों और सोसायटीयों में डिफाल्टर किसानों का व्याज माफ किया जावेगा, इसका आदेश 25 मार्च तक किया जाये व किसानों को उनकी फसल का लागत के उपर लाभकारी मूल्य दिलाया जाये ।04. राजस्थान और झारखण्ड व अन्य राज्यों की तरह मध्यप्रदेश में भी पशुपालकों को दुध उत्पादन पर 5 रूपये प्रति लीटर का अनुदान मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सुनिश्चित किया जावे। 0.5. पशुपालकों को पशुपालन में अधिक खर्च बढ़ने से खली, बाटा, भूसा, लेबर, डीजल, पेट्रोल के दामों में अधिक वृद्धि होने से पशुपालन घाटे का सौदा नजर आता है, इसीलिए आपसे निवेदन है प्रति फैट की दर 15 रूपये सुनिश्चित की जाये ।6. शासन द्वारा किसानों के सम्बन्धीत योजनाओं की जानकारी भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों को दी जाये। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा विकास यात्रा में हमारे गांव के किसानों का यही निवेदन है।

प्रधानमंत्री सड़कों का ऐसा जाल जो बनाता है चौराहें

खरगोन 12 फरवरी 23/गांव और आदिवासी क्षेत्रों का मन में विचार आते ही ऊंची नीची पहाडियों और धूल मिट्टी व पत्थरों से बनी पगडंडी वाली स?केंं उभर आती है। लेकिन प्रधानमन्त्री सडक योजना के दौर में अब ऐसी तस्वीरें इंसान से काफी दूर निकल चुकी है। खरगोन जिले में ऐसे दो स्थानों पर 6 सडकें है जो चौराहें का निर्माण करती है। जिसके कारण अब सुदूर पहाडी अंचलों में भी पक्की लहराती सड़के देखने को मिलती है। जो किसानों को मंडी तक, छात्रों को विद्यालय व महाविद्यालयों, मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों और गरीबों को राशन दुकानों तक विकास के रास्ते पर ला खडा कर रही है।ऐसी बदलती तस्वीर खरगोन जिले की सेंगाव तहसील और बडवानी जिले की राजपुर तहसील तथा झिरन्या, भीकनगांव और भगवानपुरा के गांवो में आसानी से देखने को मिल जाती है। यहां ऐसी प्रधानमंत्री सडकें है जो एक जगह पर आकर एक चौराहा बना रही है। इन तीन सडकों से खरगोन के करीब 15 गाँव और ब?वानी के 5 गांवों के किसान, छात्र मरीज और गरीबों के साथ अनेको नागरिक पक्की सडकों से मंजिल का सफर तय कर रहे हैं। ये सडकें दो तरफ राष्ट्रीय राजमार्गों को भी जो?ती है। इसके अलावा जनजातीय जनपदों में बनी 3 सडकें तरक्की की राह की ओर अग्रसर है।

इन सडकों का इस तरह का है स्वरूप

पीएमजीएसवाय के महाप्रबंधक श्री एचपी जाटव ने जानकारी देते हुए बताया कि समय-समय पर सेगांव क्षेत्र में सडकों का निर्माण हुआ है। जो एक स्थान पर आकर चौराहे का निर्माण होता। जिले में ऐसे दो चौराहे है जो पीएम सडक निर्माण के बाद उभरे है। एक चौराहा जिले के दुर्गम आदिवासी क्षेत्र झिरन्या, भीकनगांव और भगवानपुरा तीन जनपदों को जोडता है। दूसरा सेगांव तहसील में नागलवाडी क्षेत्र की ओर है। यहां बनी सडकों न सिर्फ अन्य जिले को जोडती है बल्कि यहाँ की आम जनता को महानगरों से जोडने में सहयोगी है। सेगांव क्षेत्र के उपयंत्री श्री कोचक ने बताया कि सेगांव से गोलवाडी तक कि 18.95 किमी. की यह सडक वर्ष 2019 में 951 लाख रुपये की लागत से बनी है। इस सडक के मध्य में 4.43 किमी. की 171.89 लाख रुपये की लागत का मार्ग और नीलकंठ से 2.64 किमी. नागलवाडी की जाने वाली सडक 79.89 लाख की लागत से बनी है। जो एक स्थान पर चौराहे का निर्माण करती है।

पीएम सडकों से राजमार्ग होकर दिल्ली बॉम्बे तक पहुँच रही उद्यानिकी फसलें

गोलवाडी के सचिव झबर मंडलोई ने बताया कि गोलवाडी और नागलवाडी के किसान इन मार्गों से उद्यानिकी आधारित फसलें मुख्य रूप से मिर्च और टमाटर अच्छा उत्पादन कर रहे है। जब इस उत्पादन से मुनाफे की बात हो तो ये प्रधानमंत्री बहुत बडी भूमिका निभाती है। इन्हीं सडको से गुजर कर यहां से दिन रात बडे बडे वाहन फसलें परिवहन करते है। जो सेगांव और सेंधवा की ओर निकल कर इंदौर तथा बॉम्बे पहुँचते है। पहले ऐसी स्थिति थी कि यहाँ कोई भी व्यापारी अपने वाहन नहीं भेजता था। किसान खुद मंडी तक फसलें पहुँचाते थे। इसी तरह विद्यार्थियों के लिए और मरीजों के लिए

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचने में आसानी हो रही है।

आदिवासी दुर्गम पहाडी अंचल में प्रवेश करने में सहायक है पीएम सडकें

जिले की आदिवासी जनपदों झिरन्या भीकनगांव और भगवानपुरा को आपस मे जोडने वाली पीएम सडके है। पीएमजीएसवाय की ये सडकें कांकरिया से मोरदड के लिए 4.80 किमी. घोडीबुजुर्ग से मोगरगांव 1.24 किमी. और सतवाडा से घोडीबुदुर्ग 6.45 किमी. तथा कांकरिया से गोरखपुर के लिए 7.83 किमी. में निर्मित सडके हैं। ये सडके कुल 458.14 करोड की लागत से बनी है। इन्ही सडकों से गरीब राशन दुकानों तक और विद्यार्थी हायर सेकेंडरी स्कूलों तक पहुँच पॉय रहे है।